श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली) : (क) कर्मचारी बीमा योजना के अनुसार बीमारी के समय बढ़ाई गई दरों से आर्थिक सुविधा नीचे लिखी शर्तों के अनुसार मिलती है :

(१) बीमा शुदा व्यक्ति के लिये यह जरूरी है कि वह क्षय रोग से पीड़ित घोषित होते समय लगातार दो साल से अधिक किसी ऐसे कारखाने में काम करता रहा हो इस योजना में आ गया है ।

(२) बीमा शुदा आदमी ने कर्मचारी बीमा योजना के अन्तर्गत मिलने वाली सारी सहूलियतें प्राप्त कर ली हों ।

(३) सम्बन्धित नियम एवं विनियमों के अनुसार उसकी बीमारी क्षय रोग प्रमाणित हो गई हो ।

(४) यदि बीमा शुदा रोगी दुबारा ऐसी सुविधा प्राप्त करने का हक़दार नहीं बन जाता तो यह सुविधा क्षय रोगी को बीमारी के समय केवल एक ही बार प्राप्त होती है । यह सुविधा स्वस्थ्य होने के प्रमाण-पत्र पाने की तिथि से लेकर २४ मास बाद फिर से क्षय रोग से बीमार पड़ने पर प्राप्त हो सकती है ।

(ख) ३१-१२-५७ तक ५,६७२ ।

(ग) ३१-१२-५७ तक ४,०३,८०४ रुपये ६३ नये पैसे बढ़ाई गई दरों से आर्थिक बीमारी सहायता के रूप में दिये गये हैं ।

कर्मचारी भविष्य निधि योजना

१३६०. श्री म० ला० द्विवेदी : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अब तक कितने उद्योग भविष्य निधि योजना के अन्तर्गत आ चुके हैं ; और

(ख) इन उद्योगों में काम करने वाले कर्मचारियों की कुल संख्या कितनी है ?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली : (क) ३१ :

(ख) लगभग २६ लाख ।

कर्मचारी भविष्य निधि योजना

१३६१. श्री म० ला० द्विवेदी : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि कर्मचारी भविष्य निधि योजना से गत ५ वर्षों में कितने औद्योगिक कमचारियों को सेवानिवृत्त होने पर ैर असामयिक मृत्यु की दशा में उनके आश्रितों को लाभ पहुंचा ?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली) : इस सम्बन्ध में वर्षानुसार संख्या नीचे लिख दी गई है :—

	वर्ष	संख्या
(१)	१-११-१९५२ से ३१-३-१९५३	४१
(२)	१९५३-५४	१,६५०
(३)	१९५४-५५	२,६१३
(४)	१९५५-५६	३,८३९
(५)	१९५-६-५७	४,७९६
	कुल	१२,९३९

सरेस का उत्पादन

१३६२. श्री म० ला० द्विवेदी : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हड्डियों से सरेस बनाने के सम्बन्ध में इस बीच क्या प्रगति हुई है ; और

(ख) इसकी किस्म सुधारने के लिये क्या किया गया है ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) और (ख) सरकार ने इस तरह की सिर्फ एक योजना ही स्वीकार की थी लेकिन क्लोरीन न मिलने की वजह से इसमें कोई प्रगति नहीं हो पायी है ।